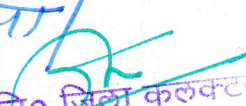


प्रवासी फेज हुईं विद्वान् इामीभाष्य
 निगराकार रूप जैरनिग्रयण उपाख्येत्।
 हमने प्रवासी पर उपाख्येत् इतिविजे
 एवं स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान
 जयपुर की शाखी मुख्या दिनांक 10.6.16
 के अवलोकन से पता है कि
 राजस्थान प्रजासत्ताक शासिका शाखी नियम 2009
 की धारा 73 की उप धारा (2) उप धारा
 धारा 237 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों
 का प्रयोग करते हुये प्रत्येक संज्ञा
 के संगत शासिका प्रहोशु को उक्त
 धारा 73 के अधीन संपत्ति के अन्तर्गत
 और संविधा से संबंधित प्रकरणों की
 सुनवाई कर निगरण करने हेतु प्राधिकृत
 अधिका इका ही देखने में लय है कि
 हस्तगत प्रकरण के इस आधार को
 सुनवाई का शाखीकार नहीं है।
 निगरणी इस आधार के शकालिचार
 में नहीं होने से खारिज की जाती है।
 प्रकरण में निगरणीकार सक्षम प्राधिकारी
 आधार को समस्त विधि सम्बन्ध सुनवाई
 हेतु अधिनियम प्रदत्त करने के
 लिये स्वतंत्र रहेगी। प्रवासी फेज में
 के सुमार ही कर बाह्य व्यक्ति दाखिल
 प्रकरण है।

दिनांक 20.10.14 को सुले
 आधार के सुनाया गया।


 अति० सहायक कलेक्टर
 बन्दी (राज०)